OM-11- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 08/08/2021 12:56 PM Page 11

जीवन में भावनायें आपका सच्चा जीपीएस

सीखने के लिए इस दुनिया में बहुत सारे सबक हैं। अगर हम इस दुनिया को एक स्कूल की तरह मानते हैं और अपने जीवन को एक क्लास रूम की तरह तो हम अपने अंदर कई सारी सकारात्मक ऊर्जा भर सकते हैं। स्कूल में हम पढ़ाई के लिए अर्थात् सीखने के लिए जाते हैं, जिससे हमारे जीवन में बेहतरी की बढ़ोतरी होती है। आप जब क्लास रूम में बैठते हैं, जो भी ब्लैक बोर्ड से पढ़ाया जाता है, वह आपके सीखने के लिए होता है। और जब इस मनोवृत्ति से आप वहाँ हैं तो आपकी समझ और परिपक्व होती जाती है। जो पहले आप नहीं जानते थे, वो वहाँ जानते भी हैं और समझने भी लगते हैं। इतना तक ही नहीं, पर इसका उपयोग और प्रयोग कब, कहाँ और कैसे करना है, ये भी तौर-तरीके सीख जाते हैं।

परंतु एक बात और भी हमारे ज़हन में रहती है कि हम जिस भाव-वश कोई भी कार्य करते हैं, वो भी हमारे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। हम जब अपने अंदर की आवाज़ सुनते हैं और फिर कार्य करते हैं तो हर कार्य में हम सफल अवश्य होते हैं और हमें संतोष भी होता है। अंतरमन की आवाज़ एक तरह से जीपीएस का कार्य करती है। जब आप अपने अंतरमन की आवाज़ को दरकिनार करते हैं तभी ही परिणाम दुःखदायी होता है। क्योंकि आपने अपने भीतर की आवाज़ को न सुना तो बेचैनी बढ़ती है और बेचैनी में किये हुए कार्य से सौ प्रतिशत फल प्राप्त नहीं होता। आपकी भावनाएं वाकई जीवन में आपको राह दिखाने वाली सच्ची जीपीएस होती है। आप कब और क्या करना चाहते हैं और क्या नहीं, आपको भावनात्मक रूप से गाइड करने वाला सिस्टम बता देगा। तरीका यह है कि अपना ईगो दूर रखें और अंतरमन की बात सुनना शुरु कर दें। हमारे जीवन का हर सही फैसला हमारे अंदर से आया है। दिल से निकला है। और हर गलत निर्णय अपने दिल की आवाज़ अनसुनी करने के कारण हुआ है।

अगर कुछ सही नहीं लगता तो हरगिज़ न करें। सिर्फ यही एक सबक आपको ज़िन्दगी में कई तकलीफों से बचायेगा। यहाँ तक कि किसी चीज़ पर संदेह भी है तो उसे न करें और न कहें। जब आप अपने अंतरमन की आवाज़ को जीवन का पथ-प्रदर्शक बनायेंगे तब न सिर्फ आपकी निजी ज़िन्दगी बेहतर होगी बल्कि कामकाजी दुनिया की प्रतिस्पर्धा में भी आप आगे होंगे। 'ए होल न्यू माइंड' किताब में लेखक लिखते हैं कि हम नये दौर में प्रवेश कर रहे हैं। वह कहते हैं कि वह समय दूर नहीं, जब सिर्फ तर्कपूर्ण, नियम-कायदे पर आधारित सोच ही मायने नहीं रखेंगे, अपितु सहानुभूति, खुशी, उद्देश्य और आंतरिक विशेषताएं उत्कृष्ट मूल्य साबित होंगे। हम जिस दौर से गुज़र रहे हैं उसमें सब पूर्ववत मान्यताओं से भिन्न हैं। अगर हम पहले वाली सोच के आधार पर जीवन जीते हैं तो सुख, शांति हमसे दूर ही रहेगी। न सफल होंगे और न ही संतुष्ट।

ये विशेषतायें तब और निखरकर सामने आयेंगी, जब आप जिस काम को चाहते हैं वही करना शुरु कर दें, अपने काम में अपना सबकुछ झोंक दें- अपनी विशेषज्ञता के साथ इमोशन्स भी। अगर वाकई में आप उड़ना चाहते हैं तो अपनी ताकत अपने जुनून के पीछे लगाइये। अपने अंतरमन की आवाज़ की कद्र करें। आप ज़िन्दगी के आखिर में पैसों के साथ जीवन का अर्थ भी तो चाहते हैं, जिनपर आप भरोसा करें, जो आपकी कद्र करे। ऐसा तभी होगा जब आप अंदरुनी तौर पर अमीर होंगे। तो जब आप हमेशा दुनिया को एक स्कूल की तरह और अपने जीवन को, जैसे कि क्लास रूम में हैं, ऐसे एहसास के साथ जीना आरंभ कर देंगे, तब ही आपके अंतरमन का जो जीपीएस है, वो सही और सटीक आपको आपकी कामयाबी तक पहुंचायेगा।

उज्जैन-म.प्र.। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के शिवदर्शन धाम,ऋषिनगर सेवाकेन्द्र पर ब्र.कु. उषा दीदी का सम्मान करते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, म.प्र. भाजपा के बोर्ड मेम्बर प्रदीप व्यास, पार्षद संतोष व्यास तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल उज्जैन के अध्यक्ष प्रदेश कुलकर्णी अपने सभी मंडल सदस्यों के साथ।

आगरा-उ.प्र.। रोट्री क्लब के 26वें इंटरनेशनल कार्यक्रम का होटल हॉलिडे इन में आयोजन किया गया व ब्रह्माकुमारीज़,आगरा पीपल मण्डी को आमंत्रित किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मुकेश सिंघल व उनकी धर्मपत्नी तथा नवनियुक्त प्रेसिडेंट राजकुमार सुराना व उनकी धर्मपत्नी ने गुलदस्ता भेंट कर ब्र.कु. ममता बहन व ब्र.कु. रीना बहन का स्वागत किया।

भरतपुर-रूपवास(राज.)। सेवाकेन्द्र के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में अमर सिंह जाटव,विधायक,रूपवास बयाना को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. गीता। साथ हैं पार्षदगण तथा ब्र.कु. मिठ्ठन।

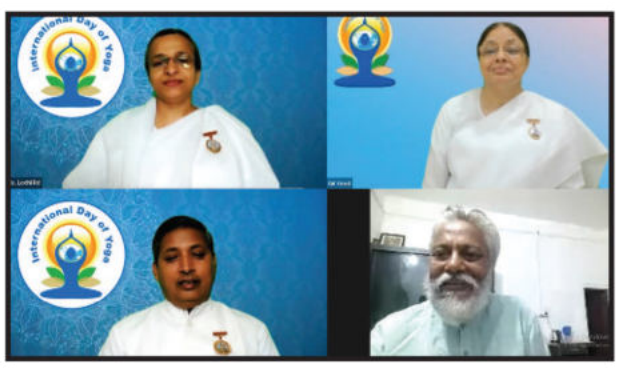

दिल्ली-लोधी रोड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'योगः कर्मसु कौशलम' विषय पर आयोजित ई-संगोष्ठी में उपस्थित रहे सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. राजेन्द्र सिंह,रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित,भारत के जल पुरुष एवं तरुण भारत संघ के संस्थापक अध्यक्ष, प्रेरक वक्ता ब्र.कु. पीयूष, ब्र.कु. उर्मिल बहन,निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज़,पालम विहार,गुरूग्राम तथा ब्र.कु. गिरिजा बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका।

सारंगपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका मनमोहिनी दीदी के पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीदी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा, वरिष्ठ व्यापारी नरेन्द्र मकोडिया, न्याय विभाग में पदस्थ अनिल गुप्ता, ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. प्रीति बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

वडोदरा-मंगलवाड़ी(गुज.)। वडोदरा महानगर पालिका तथा श्री राम महिला मंडल द्वारा महिलाओं के लिए आयोजित ब्लड ग्रुप तथा हिमोग्लोबिन चेकअप कैम्प के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित हैं डेप्युटी मेयर नंदा बहन जोशी, ब्र.कु. राज दीदी तथा अन्य गणमान्य लोग।

कोहिमा-नागालैंड। ब्रह्माकुमारीज़ के 85वीं वार्षगांठ पर अंगामी पब्लिक ऑर्गनाइज़ेशन हॉल में 'ग्लोबल कोऑपरेशन फॉर ए बेटर वर्ल्ड' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहे वी.शशांत शेखर,प्रिन्सीपल सेक्रेट्री,पार्लियामेंटरी अफेयर्स,गवर्नमेंट ऑफ नागालैंड, डॉ. केपेलहाउसी टेरहुजा,प्रेसीडेंट,अंगामी पब्लिक ऑर्गनाइज़ेशन, जोनस यंथन,वाइस प्रेसीडेंट,लोथा होहो, कैरोल लोथा,सीनियर मेम्बर,पीस चैनल नागालैंड तथा ब्र.कु. रूपा,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका,ब्रह्माकुमारीज़। ब्र.कु. चार्ली हॉग्ग,कोऑर्डिनेटर,ब्रह्माकुमारीज़,ऑस्ट्रेलिया तथा राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी,यूरोप व मिडल ईस्ट स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ने भी विडियो द्वारा अपनी शुभकामनायें दीं।

रूरा-कानपुर देहात(उ.प्र.)। सेवाकेन्द्र पर दाँतों के फ्री-चेकअप कैम्प के उद्घाटन पश्चात् डॉ. मानवेन्द्र सिंह,डेंटिस्ट को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रीति बहन तथा ब्र.कु. प्रेम बहन। साथ हैं डॉ. सुरेन्द्र तिवारी, त्रिभुवन सिंह, बांकेलाल यादव, श्रवण गुप्ता तथा अन्य।

दिल्ली-हरिनगर। आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् तमिलनाडु स्पेशल पुलिस कमान्डेंट सेंथिल कुमार के साथ ब्र.कु. सारिका, ब्र.कु. रंजन तथा ब्र.कु. राजेन्द्र।

चनावे-बिहार। सेवाकेन्द्र के तृतीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित हैं ब्र.कु. अंगूर बहन, ब्र.कु. कान्ति बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. पूनम बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।